National Journal of Multidisciplinary Research and Development
www.newresearchjournal.com
ISSN: 2455-9040
Received: 14-12-2022, Accepted: 13-01-2023, Published: 28-01-2023
Volume 8, Issue 1, 2023, Page No. 48-50

कहानी वाचन विधि एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. प्रीति शर्मा[1], ज्योति झारिया[2]
[1] Professor, Department of Education, Mansarovar Global University, Bhopal, Madhya Pradesh, India
[2] Department of Education, Mansarovar Global University, Bhopal, Madhya Pradesh, India

सारांश
सामाजिक विज्ञान शिक्षण में कहानी कहने के तरीकों का उपयोग छात्रों को संलग्न करने, सहानुभूति को बढ़ावा देने और जटिल सामाजिक घटनाओं की समझ को बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। कहानियों का उपयोग सदियों से ज्ञान, मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रसारित करने के साधन के रूप में किया जाता रहा है, जो उन्हें सामाजिक विज्ञान अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए स्वाभाविक रूप से उपयुक्त बनाता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य कहानी वाचन विधि एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना। प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा भोपाल जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 7 के विद्यार्थियों का चयन किया गया। कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले 40 विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले 40 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया। प्रस्तुत शोध सर्वेक्षण प्रकार का है । सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि मापन हेतु उपलब्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया।इस अध्ययन के पश्चात प्राप्त निष्कर्ष से स्पष्ट होता है कि कहानी वाचन विधि एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया।

मूल शब्दः कहानी वाचन विधि, सामान्य विधि, उच्च प्राथमिक स्तर

सामाजिक विज्ञान का अर्थ: सामाजिक विज्ञान से तात्पर्य मानव समाज और सामाजिक संबंधों के व्यवस्थित अध्ययन से है। यह मानव व्यवहार, सामाजिक संरचनाओं, सांस्कृतिक गतिशीलता और सामाजिक घटनाओं को समझने के लिए समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल और इतिहास जैसे विषयों से विभिन्न तरीकों और सिद्धांतों को नियोजित करता है।

सामाजिक विज्ञान की प्रकृति

अनुभवजन्य: सामाजिक विज्ञान व्यवस्थित अवलोकन, प्रयोग और विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त अनुभवजन्य साक्ष्य पर निर्भर करता है।

अंतःविषय: यह मानव व्यवहार और समाज में समग्र अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए कई विषयों से प्रेरणा लेता है।

प्रासंगिक: सामाजिक घटनाओं का विश्लेषण करते समय सामाजिक वैज्ञानिक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक संदर्भों पर विचार करते हैं।

गतिशील: सामाजिक विज्ञान मानता है कि समाज और सामाजिक प्रणालियाँ लगातार विकसित हो रही हैं और परिवर्तन के अधीन हैं।

सामाजिक विज्ञान शिक्षण में कहानी वाचन विधि

कहानियाँ छात्रों का ध्यान आकर्षित करती हैं और अमूर्त अवधारणाओं को अधिक प्रासंगिक और सुलभ बनाती हैं। सामाजिक विज्ञान सामग्री को आख्यानों के भीतर तैयार करके, प्रशिक्षक छात्रों की जिज्ञासा को बढ़ा सकते हैं और उनके स्वयं के जीवन के लिए प्रासंगिकता की भावना पैदा कर सकते हैं। समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, मानवविज्ञान, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान जैसे सामाजिक विज्ञान विषयों में प्रमुख अवधारणाओं, सिद्धांतों और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों को चित्रित करने के लिए व्यक्तिगत उपाख्यानों, ऐतिहासिक कथाओं, केस अध्ययन या काल्पनिक परिदृश्यों का उपयोग किया जा सकता है। कहानियों में व्यक्तियों या समूहों के अनुभवों, दृष्टिकोणों और संघर्षों को चित्रित करके भावनाओं को जगाने और सहानुभूति को उत्तेजित करने की शक्ति होती है। कहानी कहने के माध्यम से, छात्र विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सामाजिक पहचान और जीवित वास्तविकताओं की गहरी समझ प्राप्त कर सकते हैं।सामाजिक अन्याय, असमानता, या मानवाधिकार के मुद्दों को उजागर करने वाली कहानियों से जुड़कर, छात्र सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित कर सकते हैं, जो उन्हें सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने और सकारात्मक बदलाव की वकालत करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा

गुप्ता, के., और गुप्ता, ए. (2016) [4]। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों की रचनात्मक सोच पर कहानी कहने का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, 5(2), 142–146। – हालांकि सीधे तौर पर सामाजिक विज्ञान विषयों से संबंधित नहीं है, यह अध्ययन प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के बीच रचनात्मक सोच पर कहानी कहने के प्रभाव की जांच करता है, जिसका सामाजिक विज्ञान सहित विभिन्न शैक्षणिक विषयों में उनकी भागीदारी और प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ सकता है।

सिंह, एस., और कौर, जी. (2017)। कहानी सुनाना: प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के सुनने के कौशल को बढ़ाने के लिए एक उपकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, 6(11), 75–79। – यह शोध प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच सुनने के कौशल को बेहतर बनाने में कहानी कहने की प्रभावशीलता की जांच करता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक विज्ञान विषयों में उनके दृष्टिकोण और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है।

साहनी, ए., और सूरी, एस. (2018) [6]। प्रारंभिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में कहानी सुनाना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 10(10), 73590–73595। – यह अध्ययन विशेष रूप से प्रारंभिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान विषयों को पढ़ाने में कहानी कहने के शैक्षणिक उपयोग की जांच करता है, जिससे छात्रों की शैक्षणिक व्यस्तता और सीखने के परिणामों के लिए इसके संभावित लाभों पर प्रकाश पड़ता है।

शोध अध्ययन की प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में कहानी वाचन विधि एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन हेतु सर्वेक्षणात्मक पद्धति का प्रयोग किया गया।

शोध अध्ययन के प्रकार

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोध की सर्वेक्षणात्मक विधि का प्रयोग किया गया।

शोध अध्ययन के चर

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जिन स्वतंत्र चरों का प्रभाव आश्रित चरों पर देखा गया उनका विवरण निम्न है

स्वतंत्र चरः जिस चर पर प्रयोगकर्ता का पूर्ण रूप से नियंत्रण रहता है एवं जिसके कारण के प्रभाव का अध्ययन प्रयोगकर्ता करना चाहता है उसे स्वतंत्र चर कहा जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के स्वतंत्र चर है।

1. कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी
2. सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी

आश्रित चरः आश्रित चर वह चर होता है जिस पर स्वतंत्र चर का प्रभाव पड़ने पर व्यवहारिक परिवर्तन होता है तथा जिसका अध्ययन एवं मापन शोधकर्ता द्वारा किया जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के आश्रित चर है।

1. सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले वाले विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले वाले विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान पक्ष, बोध पक्ष, अनुप्रयोग पक्ष एवं कौषल पक्ष की उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध अध्ययन के उपकरण

1. सामाजिक विज्ञान विषय के उपलब्धि मापन हेतु उपलब्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया।

शोध अध्ययन के प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्शन विधि

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षणात्मक अनुसंधान का उपयोग किया गया।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा भोपाल जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 7 के विद्यार्थियों का चयन किया गया। कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले 40 विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले 40 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया।

शोध अध्ययन की परिकल्पना

परिकल्पना क्रं. 1: कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही होता है।

परिकल्पना क्रं. 2: कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान पक्ष में उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही होता है।

परिकल्पना क्रं. 3: कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के बोध पक्ष में उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही होता है।

परिकल्पना क्रं. 4: कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के अनुप्रयोग पक्ष में उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही होता है।

परिकल्पना क्रं. 5: कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के कौषल पक्ष में में उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही होता है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तरो की सार्थकता की तुलना।

तालिका क्रं .1: कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि का टी–मान

चर	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी सारणीमान	परिकलित टी– मान	सार्थकता
सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	30.79	1.89	1.99	17.19	सार्थक
	सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के के विद्यार्थी	40	23.78	1.75			
सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान पक्ष में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	7.53	1.07	1.99	6.41	सार्थक
	सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	5.92	1.17			
सामाजिक विज्ञान विषय के बोध पक्ष में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	7.64	1.15	1.99	7.98	सार्थक
	सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	5.85	.823			
सामाजिक विज्ञान विषय में के अनुप्रयोग पक्ष उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	7.94	.887	1.99	9.58	सार्थक
	सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	6.02	.907			
सामाजिक विज्ञान विषय के कौषल पक्ष में उपलब्धि	कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी	40	7.66	1.05	1.99	7.21	सार्थक
	सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर विद्यार्थी	40	5.97	1.03			

शोध परिणाम

- कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि में सार्थक अन्तर अन्तर पाया गया।
- कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के ज्ञान पक्ष में उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया।
- कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के बोध पक्ष में उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया।
- कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के अनुप्रयोग पक्ष में उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया।

- कहानी वाचन विधि से पढ़ने वाले विद्यार्थियों एवं सामान्य विधि से पढ़ने वाले उच्च प्राथमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों सामाजिक विज्ञान विषय के कौषल पक्ष में में उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया।

सुझाव

- **छात्रों की रुचियों और आवश्यकताओं के अनुरूप कहानियाँ तैयार करें:** कक्षा में उपयोग के लिए कहानियों का चयन और विकास करते समय अपने छात्रों की रुचियों, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और सीखने की प्राथमिकताओं पर विचार करें। ऐसी कहानियाँ चुनें जो उनके अनुभवों से मेल खाती हों और उनकी शैक्षणिक शक्तियों और चुनौतियों को संबोधित करती हों, जिससे शिक्षा में समावेशिता और प्रासंगिकता को बढ़ावा मिले।

- **चिंतनशील चर्चाओं की सुविधा प्रदान करें:** छात्रों को कक्षा में प्रस्तुत कहानियों का आलोचनात्मक विश्लेषण और चिंतन करने, सामाजिक विज्ञान विषयों, सिद्धांतों और वास्तविक दुनिया के मुद्दों से संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। खुले संवाद और बहस के अवसर पैदा करें, एक सहायक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा दें जहां विविध दृष्टिकोणों को महत्व दिया जाए और उनका सम्मान किया जाए।

- **विविधता और समावेशन को अपनाएं**: विभिन्न दृष्टिकोणों, संस्कृतियों और जीवित अनुभवों के मूल्य को पहचानते हुए, कक्षा में प्रस्तुत की गई कहानियों की विविधता को अपनाएं। अपने सहपाठियों के दृष्टिकोण के प्रति खुले विचारों वाले और सम्मानजनक बनें, कक्षा में समुदाय और आपसी समझ की भावना को बढ़ावा दें।

सन्दर्भ सूची

1. ARGYRIS C, PUTMAN CR, SMITH D. Action Science, Jossey-Bass, San Francisco, 1986.
2. Common DL. Stories, teaching, and the social studies curriculum. Theory & Research in Social Education,2012:15(1):33-44. https://doi.org/10.1080/00933104.1987.10505534
3. Coşkun Keskin S. Empatik düşünme becerisi [Empathetic thinking skill]. In D. Dilek (Ed.), Sosyal bilgiler eğitimi [Social studies education], Pegem, 2016, 445-468.
4. Gupta K, Gupta A. Impact of Storytelling on Creative Thinking of Elementary School Students. International Journal of Social Sciences and Humanities,2016:5(2):142-146.
5. Kapoor R, Bajaj S. The Effectiveness of Storytelling Method on Learning of Environmental Education at Primary Level. International Journal of Science and Research,2017:6(4):1765-1768.
6. Sahni A, Suri S. Storytelling as a Pedagogical Tool in Teaching of Social Science at Elementary Level. International Journal of Current Research,2018:10(10):73590-73595.